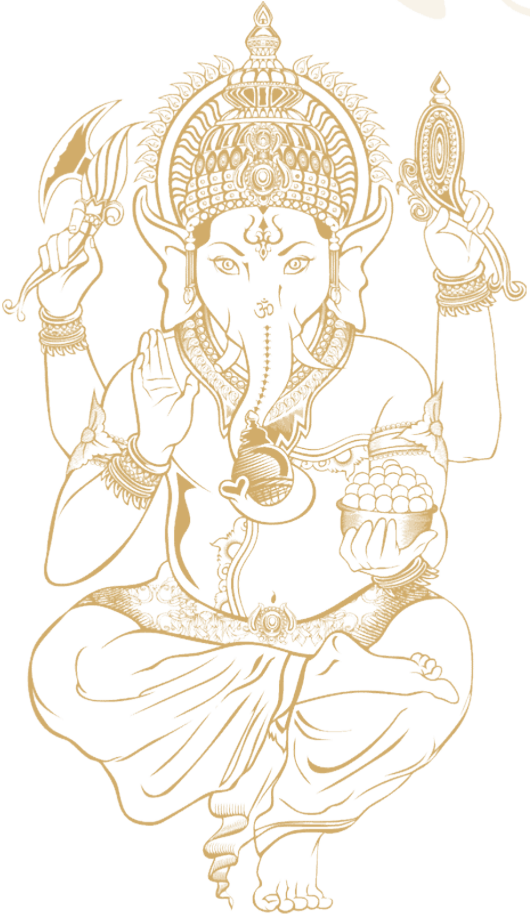

Dr. Maitri

18 Nov 2003

12:24 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121630302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/11/2003**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:24:00 घंटे**
इष्ट	43:55:36 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:02:40 घंटे
वेलान्तर	00:15:10 घंटे
साम्पातिक काल	03:48:21 घंटे
सूर्योदय	06:49:45 घंटे
सूर्यास्त	17:22:34 घंटे
दिनमान	10:32:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	01:05:41 वृश्चिक
लग्न के अंश	07:48:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:48:53	307:02:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	01:05:41	01:00:30	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	08:26:30	13:09:47	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	20:40:09	00:28:49	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	14:24:18	01:30:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	21:40:10	00:07:56	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	24:35:31	01:14:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:51:20	00:02:28	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	26:31:56	00:00:11	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	26:31:56	00:00:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:01:28	00:00:28	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:40:47	00:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:56:29	00:02:07	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			वृष	05:23:11	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:26

लग्न-चलित

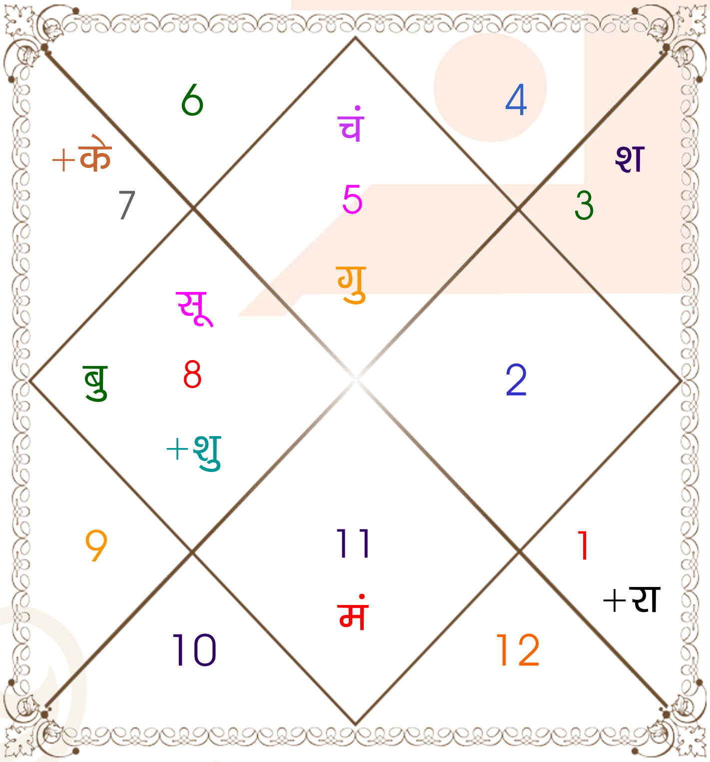

चन्द्र कुंडली

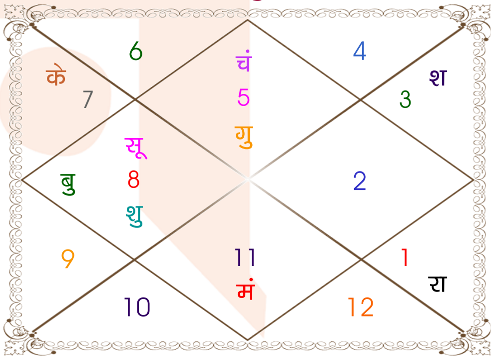

नवमांश कुंडली

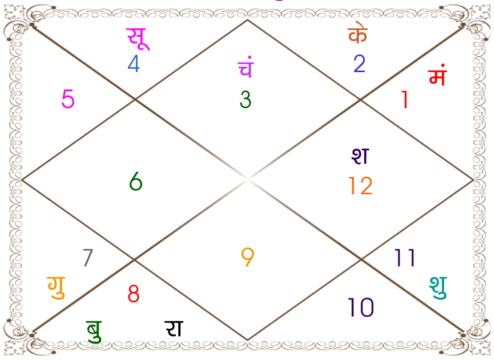

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 6 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/11/2003		13/06/2006		13/06/2026		12/06/2032		13/06/2042	
13/06/2006		13/06/2026		12/06/2032		13/06/2042		12/06/2049	
	00/00/0000	शुक्र	12/10/2009	सूर्य	30/09/2026	चंद्र	12/04/2033	मंगल	09/11/2042
	00/00/0000	सूर्य	12/10/2010	चंद्र	01/04/2027	मंगल	11/11/2033	राहु	27/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	12/06/2012	मंगल	07/08/2027	राहु	13/05/2035	गुरु	02/11/2044
	00/00/0000	मंगल	12/08/2013	राहु	30/06/2028	गुरु	11/09/2036	शनि	12/12/2045
	00/00/0000	राहु	12/08/2016	गुरु	19/04/2029	शनि	13/04/2038	बुध	09/12/2046
	18/11/2003	गुरु	13/04/2019	शनि	31/03/2030	बुध	12/09/2039	केतु	07/05/2047
गुरु	07/05/2004	शनि	13/06/2022	बुध	05/02/2031	केतु	12/04/2040	शुक्र	06/07/2048
शनि	15/06/2005	बुध	12/04/2025	केतु	13/06/2031	शुक्र	12/12/2041	सूर्य	11/11/2048
बुध	13/06/2006	केतु	13/06/2026	शुक्र	12/06/2032	सूर्य	13/06/2042	चंद्र	12/06/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/06/2049		13/06/2067		13/06/2083		14/06/2102		14/06/2119	
13/06/2067		13/06/2083		14/06/2102		14/06/2119		00/00/0000	
राहु	23/02/2052	गुरु	31/07/2069	शनि	16/06/2086	बुध	09/11/2104	केतु	10/11/2119
गुरु	19/07/2054	शनि	11/02/2072	बुध	23/02/2089	केतु	06/11/2105	शुक्र	09/01/2121
शनि	25/05/2057	बुध	19/05/2074	केतु	04/04/2090	शुक्र	06/09/2108	सूर्य	17/05/2121
बुध	12/12/2059	केतु	25/04/2075	शुक्र	03/06/2093	सूर्य	14/07/2109	चंद्र	16/12/2121
केतु	30/12/2060	शुक्र	24/12/2077	सूर्य	16/05/2094	चंद्र	13/12/2110	मंगल	14/05/2122
शुक्र	31/12/2063	सूर्य	12/10/2078	चंद्र	15/12/2095	मंगल	10/12/2111	राहु	02/06/2123
सूर्य	23/11/2064	चंद्र	11/02/2080	मंगल	23/01/2097	राहु	29/06/2114	गुरु	19/11/2123
चंद्र	25/05/2066	मंगल	17/01/2081	राहु	30/11/2099	गुरु	04/10/2116		00/00/0000
मंगल	13/06/2067	राहु	13/06/2083	गुरु	14/06/2102	शनि	14/06/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।